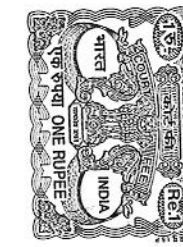
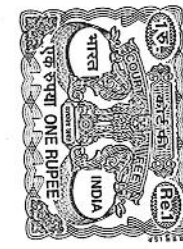
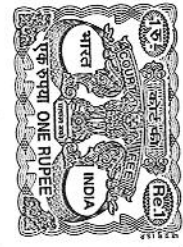
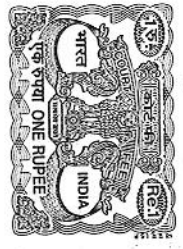


समक्ष न्यायालय श्रीमान् राजस्व मंडल ग्वालियर केम्प सागर म०प्र०

प्र०क्र०

अपील - 430-II-16



1. राम सेवक घोषी उम्र करीबन 62 साल
तनय श्री रामनाथ घोषी
2. सुरेन्द्र घोषी तनय श्री रामनाथ घोषी
3. श्रीमति सरोज बाई पीतल श्री रामनाथ घोषी

सभी निवासीगण ग्राम साता, पोस्ट साता
तहसील पथरिया, जिला सभरम म०प्र०

----- अपीलार्थीगण

विरुद्ध

श्रीमति गायत्री घोषी पीतल श्री सखु घोषी
निवासी ग्राम एवं पोस्ट साता, तहसील पथरिया
जिला दमोह म०प्र०

----- प्रतिअपीलार्थी

अपील अंतर्गत धारा 44 म०प्र० भू-राजस्व संहिता

अपीलार्थीगण माननीय अपर आयुक्त महोदय सागर द्वारा प्र०क्र० 89

262 अ/6 बर्ष 2013-15 में पारित आदेश दिनांक 12/01/2016
प्रतिलिपि प्राप्त दिनांक 25/01/2016 से दुःखित होकर अन्य
आधारों के अलावा निम्न आधारों पर अपनी अपील प्रस्तुत कर
निवेदन करता है कि :-

1. पकरण के तथ्य

पकरण के तथ्य संक्षिप्त में निम्नानुसार है :-

1. यह कि अपीलार्थीगण द्वारा माननीय तहसीलदार महोदय तहसील पथरिया के समक्ष एक आवेदनपत्र नामंत्रण बाबदा धारा 110 म०प्र० भू-राजस्व संहिता के तहत प्रस्तुत किया था जिसका कि प्र०क्र० 86 अ/6 बर्ष 2013-2014 था, जिसमें माननीय तहसीलदार महोदय पथरिया द्वारा दिनांक 23/2/2015 को आदेश पारित कर अपीलार्थीगण का आवेदनपत्र स्वीकार कर क्र. नं. 273 रकित 0.59 हे० पर अपीलार्थीगण का नाम दर्ज किये जाने


*Thony
Abhansala*

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक A 430-II/16

जिला दमोह

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
9-3-2016	<p>मैंने आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने और नस्ती का परिशीलन किया।</p> <p>यह अपील आवेदन अपर आयुक्त, सागर के आक्षेपित आदेश दि १२-१-१६ के विरुद्ध प्रस्तुत है, जिसके द्वारा उन्होंने अनु अधि, पथरिया के आदेश दि ३०-७-१५ के विरुद्ध उनके समक्ष दि ११-१२-१५ को प्रस्तुत अपील आवेदन को विलम्ब के आधार पर निरस्त कर दिया है।</p> <p>आवेदकपक्ष का कहना है कि आवेदक क्र-१ विकलांग है, और आवेदकगण में सबसे बड़ा भाई होने के नाते वही सब कुछ देखता है. उनका यह भी कहना है कि विलम्ब अत्यधिक नहीं है और उसके कारण भी बताए गए हैं.</p> <p>उपरोक्त के प्रकाश में मैं न्यायहित में आवेदकपक्ष के इन तर्कों से सहमत होते हुए अपर आयुक्त का आक्षेपित आदेश निरस्त करता हूँ, तथा अपर आयुक्त को यह निर्देश देता हूँ कि वे उनके न्यायालय का अपीलीय प्रकरण पुनः खोलें, और उसमें गुणदोष पर विचार करते हुए और उभयपक्ष को विधिवत सुनवाई का अवसर देते हुए, विलम्ब को माफ़ मानकर, नए सिरे से गुणदोष पर बोलते स्वरूप का आदेश पारित करें.</p> <p>इन्हीं निर्देशों के साथ यह प्रकरण रा मं से समाप्त किया जाता है. आदेश पारित.</p> <p>पक्षकार एवं अपर आयुक्त, सागर सूचित हों.</p> <p>प्रकरण समाप्त.</p> <p>दा द हो.</p> <div style="text-align: right;">  (आशीष श्रीवास्तव) सदस्य </div>	